सोलर सिटी के साथ ई व्हीकल का हब भी बनेगी अयोध्या

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार ने अयोध्या को प्रदेश की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित करने के साथ इलेक्ट्रिक व्हीकल का भी नया हब बनाने की तैयारी की है। पर्यावरण संरक्षण के लिए रामनगरी में इलेक्ट्रिक बसों व ऑटो के संचालन के साथ दो व चार पहिया ईवी पर ही जोर दिया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए ई बस व ऑटो संचालन पर जोर

अयोध्या में पर्यटकों व स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए सरकार ने ई बसों की सुविधा शुरू की है। लगभग सभी रूटों पर ई बसें फुल होकर चल रही हैं। हालांकि, रामपथ पर इसकी सर्वाधिक मांग हो रही है। अयोध्या में 500 ई बसें चलाने की योजना है। सीएम योगी ने हाल ही में अयोध्या वासियों को 50 ई बसों और 25 ई ऑटो की सौगात दी थी। अयोध्या के नगर आयुक्त विशाल सिंह के अनुसार ई बसों का अच्छा रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। अभी शुरुआत में 50 बसों का संचालन शुरू किया है। योजना के अनुसार और बसें आने के बाद रूट का विस्तार किया जाएगा। फिलहाल 5 रूटों पर इनका संचालन किया जा रहा है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 50 ई बसों एवं 25 ई ऑटो जिसमें 12 पिंक तथा 13 सफेद ई-ऑटो का संचालन किया जा रहा है। जल्द ही ई बसों की संख्या 100 हो जाएगी।

सोलर बोट से सरयू की सैर भी

लखनऊ। सरकार की ओर से अयोध्या आने वालों को सोलर बोट के जरिये सरयू की यात्रा कराई जाएगी। भारत में यह प्रयोग पहली बार हो रहा है। इसका संचालन यूपीनेडा करेगी। एक बोट में 30 यात्री एक साथ यात्रा कर सकेंगे। इसका संचालन नयाघाट से होगा।

होटल उद्योग को संजीवनी देगी अयोध्या 25 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

अयोध्या सर्च करने वालों की संख्या में एक हजार प्रतिशत की हुई वृद्धि

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। अयोध्या के सांस्कृतिक विकास से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को संजीवनी मिलेगी। बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसका लाभ सिर्फ अयोध्या को ही नहीं, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और गोरखपुर को भी मिलेगा।

पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर अयोध्या को सर्च करने वालों की संख्या में करीब एक हजार फीसदी की वृद्धि हुई है। ये आंकड़े हॉस्पिटैलिटी और इससे जुड़े सेक्टरों में उम्मीद जगाते हैं। इस इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का अनुमान है कि आने वाले कुछ वर्षों में रोज अयोध्या आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं के हिसाब से यह शहर पहले नंबर पर होगा। फिलहाल देश के सबसे संपन्न मंदिरों में शुमार तिरुपति बालाजी इस मामले में पहले पायदान पर है। वहां हर रोज अमूमन 50 हजार श्रद्धालु आते हैं। किसी खास अवसर या छुट्टियों के दिन यह संख्या एक लाख के करीब पहुंच जाती है।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या पहुंचे विदेशी पर्यटक। संवा

पहले हर साल दो लाख लोग आते थे, अब दो करोड़

अयोध्या के विकास पर निजी तौर पर उनका खास फोकस होने और दीपोत्सव जैसे आयोजन से देश-दुनिया का ध्यान आकर्षित करने की वजह से वहां आने वालों की संख्या लगातार बढ़ी है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2017 तक हर साल अमूमन अयोध्या में दो लाख श्रद्धालु आते थे। अब इनकी संख्या बढ़कर दो करोड़ तक पहुंच गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले कुछ वर्षों तक हर साल हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में 20000 से 25000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद रोज आ सकते हैं तीन लाख श्रद्धालु

प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार 2030 तक प्रतिदिन अयोध्या में करीब तीन लाख श्रद्धालु आएंगे। होटल इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का अनुमान है कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद के कुछ हफ्तों तक तो यह संख्या तीन से छह-सात लाख तक रह सकती है। फिलहाल होटल इंडस्ट्री से जुड़े लगभग सभी ब्रांड्स ने अयोध्या में रुचि दिखाई है। अधिकांश ने जमीनें भी ले ली हैं। कुछ पर निर्माण कार्य हो रहा है।

निवेशकों को छूट दे सकती है सरकार

इस सेक्टर में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए योगी सरकार अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी सहित प्रदेश के अन्य बड़े शहरों में होटलों के निर्माण में कुछ और छूट देने की भी सोच रही है। इस बाबत एक सात सदस्यीय कमेटी भी गठित की जा चुकी है। कमेटी बिल्डर्स बाइलाज संबंधी कुछ जटिलताओं को दूर करने का सुझाव दे सकती है। इन जटिलताओं पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद संज्ञान लेकर पहल की थी। उम्मीद है कि कमेटी नक्शे के शुल्क में कटौती, निर्माण के लिए जमीन व सड़क की चौड़ाई का मानक कम करने आदि के बारे में सुझाव दे सकती है।

एक जिला एक उत्पाद के दम पर हर जिले से हो रहा निर्यात

लखनऊ। एक जिला एक उत्पाद योजना की वजह से प्रदेश के हर जिले से निर्यात हो रहा है। उत्तर प्रदेश देश का इकलौता राज्य है, जिसके सभी जिलों से निर्यात हो रहा है। लेदर, मेंथा, हस्तशिल्प और दरी निर्यात में अपना सिक्का जमाने के बाद प्रदेश रेडीमेड गारमेंट के निर्यात में भी तेजी से बढ़ रहा है।

219 देशों में जा रहे यूपी के उत्पाद

अमेरिका, जर्मनी, यूके प्रमुख आयातक देश

विदेश व्यापार महानिदेशालय के मुताबिक 219 देशों में यूपी के उत्पाद जा रहे हैं। अमेरिका, जर्मनी, यूके प्रमुख आयातक देश हैं। 10 बड़े देशों में यूपी के 60 फीसदी उत्पादों का निर्यात होता है। प्रदेश के सभी जिलों से निर्यात किया जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह एक जिला एक उत्पाद है। ऐसे में अब डाटा एनालिसिस करके ये पता किया जाएगा कि किस देश में किस उत्पाद और ग्रेडिंग की मांग है। निर्यातकों का कहना है कि यूपी के उत्पाद 219 देशों में जा रहे हैं, लेकिन कम ही लोगों को पता है कि जिस कालीन, जिस जूते, जिस लेदर एसेसरीज, हस्तशिल्प का इस्तेमाल वे कर रहे हैं, उसे यूपी के हुनरमंदों ने बनाया है। इसके लिए ब्रांड यूपी को स्थापित करना बेहद जरूरी है। ब्यूरो